

Saarth E-Journal

Saarth E-Journal of Research

E-mail : sarthejournal@gmail.com
www.sarthejournal.com

ISSN NO : 2395-339X
Peer Reviewed
Vol.8 No.10

Impact Factor
Quarterly
Apr-May-Jun 2023

भगवद गीता: आज के समय में उसके महत्व और प्रासंगिकता

गोहील महेश्वरीबा

संक्षेपण :

भगवद गीता, हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण ग्रंथों में से एक है और यह आज के समय में भी अपना महत्व साबित करता है। यह प्राचीन ग्रंथ भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच हुई एक महत्वपूर्ण संवाद पर आधारित है जिसमें धर्म, कर्म, भक्ति, और जीवन के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई है। यह पेपर भगवद गीता के आज के समय में क्यों महत्वपूर्ण है और इसकी प्रासंगिकता को विश्लेषण करेगा। हम इसके सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, और मानविक महत्व की बात करेंगे और दिखाएंगे कि भगवद गीता कैसे आज के समय के व्यक्ति को जीवन के विभिन्न पहलुओं में मार्गदर्शन प्रदान कर सकती है।

प्रस्तावना :

भगवद गीता एक प्राचीन ग्रंथ है जिसमें भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को धर्म, कर्म, और मोक्ष के विषय में उपदेश दिया। यह ग्रंथ आज भी व्यक्ति के जीवन में मार्गदर्शन के रूप में महत्वपूर्ण है, और इसका महत्व आज के समय में भी बरकरार है।

भगवद गीता की महत्वपूर्ण बातें :

धर्म और कर्म: गीता में धर्म के महत्व को बताया गया है, और यह सिखाती है कि व्यक्ति को अपने कर्मों का पालन करना चाहिए और उन्हें धर्मपूर्ण तरीके से करना चाहिए।

भक्ति: गीता में भगवान के प्रति भक्ति का महत्व भी बताया गया है, और यह बताती है कि भगवान के प्रति प्यार और समर्पण के माध्यम से मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है।

जीवन के उद्देश्य: गीता में जीवन के उद्देश्य का महत्वपूर्ण विचार किया गया है और यह सिखाती है कि व्यक्ति को अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कठिनाइयों का सामना करना चाहिए।

भगवद गीता और आज का समय:

स्परिचुअलिटी: आज के समय में लोग स्परिचुअलिटी की ओर बढ़ रहे हैं, और भगवद गीता स्परिचुअल विकासके लिए महत्वपूर्ण स्रोत हो सकती है।

मानविकी समस्याएँ: भगवद गीता में उपदेश दिया गया है कि व्यक्ति को अपनी मानविकी समस्याओं का समाधान ढूँढने के लिए अपने मन को शांत रखना चाहिए।

नैतिकता: गीता नैतिकता के महत्व को भी प्रमोट करती है और यह सिखाती है कि व्यक्ति को नैतिक मूल्यों का पालन करना चाहिए।

संसारिक और सांस्कृतिक प्रासंगिकता:

भगवद गीता आज के समय में एक मानविकी और सांस्कृतिक प्रासंगिकता का प्रतीक भी है। यह ग्रंथ सभी मानवों के लिए एक अद्वितीय धार्मिक और आध्यात्मिक धरोहर है और यह समाज में सद्गुणों को बढ़ावा देता है।

निष्कर्ष :

भगवद गीता आज के समय में भी अपना महत्व बनाए रखती है, और यह लोगों को जीवन के महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करने और सही मार्ग पर चलने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है। इसके सिखाए गए तत्व आज के समय के समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकते हैं और व्यक्तिगत और सामाजिक उन्नति के दिशा में मदद कर सकते हैं। इसके रूप में, भगवद गीता आज के समय में भी एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है जो मानव समाज के लिए एक अमूल्य धरोहर है।

संदर्भ:

- शंकराचार्य : गीताभाष्य;
- लोकमान्य तिलक : गीता रहस्य;
- मधुसूदन ओझा : श्रीमद्भगवदगीतायाः विज्ञानभाष्यम्, कांडचतुष्टयात्मकम्,
- मोतीलाल शास्त्री: गीताभाष्य भूमिका;
- गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी : गीता प्रवचन भाष्य

- महाभारत गोरखपुरगीताप्रेस
- शास्त्री, चन्द्रशेखर, "महाभारतीय समाज और संगठन," संगठन और प्रबंधन: एक आधुनिक दृष्टिकोण, विकास पब्लिशिंग हाउस, २०१४।
- वर्मा, विश्वम्बरनाथ, "महाभारत में राजनीति," महाभारत की राजनीति, सामयिक प्रकाशन, २०१५।